003 सूरह आले इमरान आखरी रूकू.

खुलासा मज़ामीने कुरान उर्दू.| मौलाना मलिक अब्दुर्रउफ साहब.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम.

मोमिनो की बिला तकल्लुफ दुवा. (बिना किसी संकोच के, without any formality)

हक की पेहचान का सरचश्मा (source) ज़िकरो फिकर हे, और ज़िकरो फिकर से अल्लाह की पेहचान के दरवाज़े खुल जाते हे, और ईमान वाले बगैर किसी संकोच के कह उठते हे- ये सारी कायनात का निज़ाम बातिल नही, (जो ठीक ना हो) और तू हमे जहन्नम से बचा ले, इस्लीये की ये हमारी लिये बडी रूसवाई का मुकाम हे, और तू वादा खिलाफी नही करता.

• ए हमारे रब ! हमने ईमान की दावत का ऐलान करने वाले की बात सुनली, तो हम ईमान ले आये, इस्लीये हमारे पिछले सारे गुनाह माफ करदे, और हमारा खात्मा नेक लोगों के साथ करदे.

• ए परवरदिगारे आलम ! तूने अपने नबी से जो वादे फर्माया थे वो हमे अता करदे, और कयामत के दिन की रूसवाई से हमारी हिफाज़त फरमा.

• अल्लाह तआला ने उन्की बात सुनली, जो अल्लाह तआला का कानून हे कि वोह किसी का अमल जाये (बर्बाद) नही करता, और जो

लोग हक के रास्ते मे मुसीबतें बर्दाश्त कर रहे हे, वो इस बात का यकीन रखें कि उन्के आमाल के फायदे उन्हे बहुत जल्दी हासिल होंगे.

अब इस सूरत का खात्मा हे और ये गोया सूरह के तमाम बयानात का खुलासा हे.

(1) हक के दुश्मन कुरान की दावत के खिलाफ कितनी ही कोशिशें क्यूना करले, और देखने मे कितने ही कामयाब नजर आये, लेकिन आखिर मे होना ये हे के इस्लाम ही गालिब (विजेता) होगा.

(2) अहले किताब (याहूद व नसारा) की जो जमातें इस्लाम का मुकाबला कर रही हे, उन सबके लिये आखिर मे नाकामी और तबाही हे, हा लेकिन जो लोग सच्चाई का रास्ता अख्तियार कर लेगे, उन्के लिये कोई डर नही, और वो अपनी नेकियों का सवाब जरूर पायेंग.

(3) ईमान वालों के लिये इस्लामी कानून का खुलासा ये हे के वो इन्फिरादी (individually) तौर पर भी (तकलीफों पर सबर के साथ) जमे रहे, और इज्तिमाई एतेबार से भी सबर का दामन थामे रहें, (यानी अपने नसों को बेकाबू ना होने दे) आपस के ताल्लुकात को मज़बूत करके जमे रहे, (mutual relationship) और दुश्मन के मुकाबले मे भी जमे रहे, और अपने दिल मे अल्लाह का खौफ रखे, यकिन्न कामयाबी उन्का मुकद्दर होगी.